RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 119
दि. 29.08.2025, शुक्रवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

कीव पर रूस ने दागी 629 मिसाइलें-ड्रोन, 14 की मौत, बच्चों की चीखें मातम में बदलीं!

यूक्रेन की राजधानी कीव में 28 अगस्त 2025 की सुबह एक खौफनाक मंजर बन गया, जब रूस ने रातों-रात 629 ड्रोन और मिसाइलों की बारिश कर दी। इस भीषण हमले ने कीव को दहला दिया, जिसमें 2, 14 और 17 साल के तीन बच्चों समेत कम से कम 14 लोग मारे गए और 48 घायल हो गए।

पांच मंजिला इमारतें ध्वस्त, शॉपिंग मॉल तबाह, और यूरोपीय संघ के दफ्तर तक नहीं बचे। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने इसे 'नागरिकों की जानबूझकर हत्या' करार देते हुए रूस पर शांति वार्ता को ठुकराने का इल्जाम लगाया।

जापान-चीन के लिए रवाना हुए पीएम मोदी, कहा- जिनपिंग और पुतिन से मिलने को उत्सुक

(जीएनएस)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जापान और चीन की यात्रा पर रवाना हो गए. इस दौरान उन्होंने भरोसा जताया कि ये दौरा भारत के हितों को आगे बढ़ाने में मदद करेगा. साथ ही क्षेत्रीय, वैश्विक शांति और आपसी सहयोग को मजबूत करने में सहायक होगा.

यात्रा के पहले चरण में पीएम मोदी 29 और 30 अगस्त को जापान जाएंगे. इसके बाद वे चीन जाएंगे, जहां वे शंघाई सहयोग संगठन (रउड) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे.

प्रधानमंत्री मोदी ने प्रस्थान करने से पहले कहा कि वह तियानजिन में होने वाले शिखर सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए उत्सुक हैं.

जापान में पीएम मोदी अपने जापानी समकक्ष शिगेरु इशिबा के साथ शिखर वार्ता करेंगे. जापान यात्रा को लेकर पीएम मोदी ने कहा कि इस दौरान ध्यान विशेष रणनीतिक और वैश्विक साझेदारी को अगले स्तर पर ले जाने पर होगा, जिसने पिछले 11 वर्षों में लगातार महत्वपूर्ण प्रगति की है.

पीएम मोदी ने कहा कि जापान यात्रा के दौरान आपसी सहयोग को नई ऊंचाई पर ले जाने, आर्थिक और निवेश संबंधों का दायरा बढ़ाने, एआई और सेमीकंडक्टर जैसी नई तकनीकों में साझेदारी को आगे बढ़ाने का लक्ष्य होगा. उन्होंने ये भी कहा कि यह यात्रा भारत और जापान के सभ्यतागत और सांस्कृतिक संबंधों को और मजबूत करने का अवसर होगी.

यात्रा के दूसरे चरण में प्रधानमंत्री मोदी 31 अगस्त और 1 सितंबर को चीन के तियानजिन जाएंगे. वहां वे एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत साझा चुनौतियों का हल निकालने और क्षेत्रीय सहयोग को गहरा करने के लिए एससीओ देशों के साथ मिलकर काम करने को प्रतिबद्ध है.

पीएम मोदी ने कहा कि जापान यात्रा के बाद वे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के निमंत्रण पर तियानजिन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे. उन्होंने बताया कि भारत एससीओ का सक्रिय और रचनात्मक सदस्य है और अपने कार्यकाल के दौरान भारत ने इनोवेटिव, हेल्थ और कल्चरल आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में नई पहल की है.

गुजरात में 70वें फिल्मफेयर अवॉड्र्स 2025 के आयोजन के लिए गुजरात सरकार के पर्यटन निगम (टीसीजीएल) तथा वर्ल्ड वाइड मीडिया प्रा. लि. के बीच एमओयू हुआ

गांधीनगर, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल की प्रेरक उपस्थिति में गुरुवार को गांधीनगर में आयोजित गौरवशाली समारोह में 70वें फिल्मफेयर अवॉड्र्स के आयोजन के लिए गुजरात पर्यटन निगम लिमिटेड (टीसीजीएल) तथा वर्ल्ड वाइड मीडिया प्रा. लि. के बीच एमओयू किया गया।

इस एमओयू पर राज्य सरकार की ओर से टीसीजीएल के प्रबंध निदेशक एवं पर्यटन आयुक्त श्री प्रभव जोशी तथा वर्ल्ड वाइड मीडिया के श्री रोहित गोपाकुमार ने हस्ताक्षर किए।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के दिशादर्शन में राज्य सरकार द्वारा 2022 में घोषित की गई सिनेमैटिक टूरिज्म पॉलिसी के चलते गुजरात में फिल्म उद्योग आकर्षित हुए हैं, जिसमें इस फिल्मफेयर अवॉर्ड 2025 का आयोजन एक और मील का पत्थर सिद्ध होगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने महानुभावों की उपस्थिति में फिल्मफेयर ट्रॉफी-ब्लैक लेडी का अनावरण किया।

गुजरात में लगातार दूसरी बार फिल्मफेयर अवॉड्र्स आयोजित होने जा रहा है। इस संदर्भ में इस एमओयू साइनिंग अवसर पर पर्यटन मंत्री श्री मुळुभाई बेरा, राज्य मंत्री श्री भीखूसिंह परमार, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव श्री एम. के. दास, पर्यटन सचिव श्री राजेन्द्र कुमार, टीसीजीएल के प्रबंध निदेशक व पर्यटन आयुक्त श्री प्रभव जोशी, टाइम्स समूह के प्रबंध निदेशक श्री विनीत जैन, निदेशक श्री रोहित गोपाकुमार, लोकप्रिय हिंदी फिल्म मेकर श्री करण जौहर तथा विक्रांत मेसी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आर्थिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक प्रगति को नई दिशा दी है और सर्वांगीण विकास के चलते गुजरात एंटरटेनमेंट इन्वेस्टमेंट का फेवरेट डेस्टिनेशन बना है।

उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि स्वदेशी व आत्मनिर्भरता को फिल्म मेकिंग उद्योग बहुत अच्छी तरह प्रोत्साहन दे सकता है। भारतीय फिल्म जगत के सबसे प्रतिष्ठित फिल्मफेयर अवॉड्र्स का गुजरात में आयोजन होने से लोकल इकोनॉमी को बूस्ट मिलेगा तथा रोजगार सृजन भी हो सकेगा।

पीएम मोदी की मां के लिए की अपमानजनक टिप्पणी, सीएम धामी और भाजपा कांग्रेस-आरजेडी पर हमलावर, असली नफरती चेहरा बताया

(जीएनएस)।

पीएम नरेंद्र मोदी की मां को लेकर की गई अपमानजनक टिप्पणी को लेकर भाजपा ने कांग्रेस और आरजेडी पर जमकर हमला बोला है। भाजपा ने इसे कांग्रेस पार्टी का असली नफरती चेहरा बताया है। कहा कि बिहार में कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी और राहुल ने अपने मंच से इतनी गंदी भाषा का प्रयोग कराया है कि उसे सार्वजनिक मंच पर दोहराना भी संभव नहीं है।

उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी ने भी सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए कहा कि कांग्रेस और आरजेडी के मंच से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय माताजी के प्रति अभद्र व आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग करना अत्यंत ही निंदनीय, अमर्यादित एवं कुत्सित मानसिकता का प्रतीक है।

धामी ने कहा कि यह केवल राजनीति की मयार्दा का पतन नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति की जड़ों में रचे-बसे मातृत्व और नारी सम्मान पर भी सीधा प्रहार है। जिन नेताओं से जनता संवेदनशीलता और सकारात्मक राजनीति की अपेक्षा करती है, उनका इस स्तर तक गिर जाना उनके अंतर्मन की दूषित सोच और लगातार जनता से मिल रही अस्वीकृति की बौखलाहट का स्पष्ट प्रमाण है।

बिहार की जागरूक जनता सब देख रही है। वह अपमान और नफरत की इस राजनीति को कभी स्वीकार नहीं करेगी और आगामी चुनावों में अपने एक-एक मत से इसका करारा जवाब देगी। भाजपा ने प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने इसकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ये वो जुर्म है कि हजार भी माफी मांगे, जनता उनको माफ नहीं करने वाली है।

मीडिया में जारी अपने बयान में उन्होंने कहा, बिहार में कांग्रेस की वोट अधिकार यात्रा के दौरान तेजस्वी और राहुल ने अपने मंच से इतनी गंदी भाषा का प्रयोग कराया है कि उसे सार्वजनिक मंच पर दोहराना भी संभव नहीं है।

40% हिंदू, 20% मुसलमान साथ आगए तो-प्रशांत किशोर ने बताया कैसे जीतेंगे बिहार चुनाव?

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक और चुनावी रणनीतिकार से नेता बने प्रशांत किशोर (PK) ने अपने राजनीतिक पत्ते खोल दिए हैं। उन्होंने साफ कहा है कि अगर हिंदू और मुस्लिम समाज एकजुट हो जाएं, तो उनकी पार्टी न सिर्फ बिहार में नीतीश कुमार और बीजेपी को मात देगी, बल्कि दो साल बाद उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ को भी हराना संभव होगा। मोतिहारी में आयोजित 'मुस्लिम एकता सम्मेलन' में प्रशांत किशोर ने कहा-"आज मैं अपने मुस्लिम भाइयों को आमंत्रित करने आया हूं। अगर मुसलमान हमारा साथ देते हैं तो हम बिहार में नीतीश और बीजेपी को ही नहीं, बल्कि यूपी में योगी आदित्यनाथ को भी हरा देंगे।"

दक्षिण कोरिया के कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन (केआईटीए) से मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सार्थक मुलाकात

(जीएनएस)।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज सियोल में दक्षिण कोरिया के सबसे बड़े व्यापार संगठन कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन (KITA) के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून से मुलाकात की। 77,000 से अधिक सदस्यों वाला यह संगठन एशिया का अग्रणी व्यापारिक मंच है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने छत्तीसगढ़ की औद्योगिक नीति 2024झ30, प्राकृतिक संसाधनों और कुशल मानव संसाधन की ताकत को रेखांकित करते हुए निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और स्किलिंग के क्षेत्र में संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि "दक्षिण कोरिया के साथ हमारे संबंध केवल व्यापारिक नहीं बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक भी हैं। आज के इस संवाद से छत्तीसगढ़ और कोरिया के बीच निवेश, तकनीकी सहयोग और कौशल विकास के नए द्वार खुलेंगे। इससे छत्तीसगढ़ के युवाओं को आधुनिक उद्योगों में अवसर प्राप्त होंगे और प्रदेश के औद्योगिक विकास को गति मिलेगी।" उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार निवेशकों को सुगम वातावरण, त्वरित स्वीकृतियाँ और आवश्यक आधारभूत संरचना उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि ङक्ळअ के साथ यह सहयोग छत्तीसगढ़ को वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाएगा।

बैठक के दौरान KITA के चेयरमैन श्री जिन सिक युन और वाइस प्रेसिडेंट श्री किम की ह्यून ने भी छत्तीसगढ़ की निवेश-अनुकूल नीतियों और संसाधनों में गहरी रुचि व्यक्त की। उन्होंने कहा कि कोरियाई कंपनियाँ छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं को लेकर उत्साहित हैं और आने वाले समय में साझेदारी के ठोस कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि इस सहयोग से छत्तीसगढ़ के किसानों, श्रमिकों और स्थानीय उद्यमियों को प्रत्यक्ष लाभ होगा।

बंगाल में ममता और अभिषेक का भाजपा पर तीखा हमला, दीदी बोलीं- जब तक जिंदा हूं, किसी हक नहीं छीनने दूंगी

(जीएनएस)।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस (TMC) के स्थापना दिवस और छात्र शाखा की रैली के मंच से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (BJP) और केंद्र सरकार पर सीधा हमला बोला। ममता ने दावा किया कि भाजपा पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची से नाम हटाने की साजिश कर रही है। उन्होंने लोगों को सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि हर नागरिक को यह जांचना चाहिए कि उसका नाम अभी भी वोटर लिस्ट में है या नहीं।

ममता ने चेतावनी दी कि भाजपा की करीब 500 सदस्यों वाली टीम राज्य में घर-घर जाकर दस्तावेज इकट्ठा कर रही है ताकि लोगों को मताधिकार से वंचित किया जा सके। उन्होंने कहा कि आधार कार्ड को एक अनिवार्य पहचान पत्र के रूप में रखना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही आपके मताधिकार की गारंटी है।

इस दौरान उन्होंने चुनाव आयोग पर भी गंभीर आरोप लगाए और कहा कि आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है, जो लोकतांत्रिक प्रक्रिया पर सवाल उठाता है। ममता ने कहा कि आयोग राज्य सरकार के अधिकारियों को धमका रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का अधिकार क्षेत्र सिर्फ चुनाव के तीन महीने तक होता है, पूरे साल नहीं। लेकिन आज अधिकारी डराए जा रहे हैं।

भाषा और इतिहास पर बोलते हुए ममता ने आरोप लगाया कि भाजपा बंगालियों की भूमिका को भुलाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा, "अगर बंगाली भाषा नहीं होती, तो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत किस भाषा में लिखे गए हैं? स्वतंत्रता आंदोलन में बंगालियों की ऐतिहासिक भूमिका को भुलाने का प्रयास किया जा रहा है। हम इस भाषाई आतंक को सहन नहीं करेंगे।"

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों पर जवाब देते हुए ममता ने दावा किया कि उनकी सरकार ने 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजनाओं से महिलाओं को सशक्त किया है, जबकि भाजपा के पास सिर्फ 'भ्रष्टाचार भंडार' और भाई-भतीजावाद है। "हम समाज कल्याण के लिए काम करते हैं, वे देश को लूटने में लगे हैं," उन्होंने कहा।

इस मौके पर पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी ने भी भाजपा को कड़ी चुनौती दी। उन्होंने कहा कि हमारे खिलाफ सब खड़े हैं - भाजपा, ईडी, सीबीआई, ईसी, मीडिया, लेकिन हमारे साथ 10 करोड़ बंगाली जनता खड़ी है। चाहे जितनी ताकत लगा लें, हम हर बार और मजबूत होकर जीतेंगे।

कौन हैं दिनेश के पटनायक? कनाडा में नियुक्त हुए भारत के नए हाई कमिश्नर, कितना बदलेगा दोनों देशों का रिश्ता?

(जीएनएस)।

भारत और कनाडा के बीच तनावपूर्ण रिश्तों में अब एक नई शुरूआत होती दिख रही है। भारत सरकार ने सीनियर राजनयिक दिनेश के पटनायक (ऊ्लीरँ ड. ढं३ल्र्) को कनाडा में भारत का नया उच्चायुक्त (ल्रँ उङ्क२२्रङ्गल्ली१) नियुक्त किया है। कनाडा में यह पद पिछले दस महीनों से खाली था।

विदेश मंत्रालय ने गुरुवार, 28 अगस्त को इसकी आधिकारिक तौर पर घोषणा करते हुए बताया कि पटनायक जल्द ही कनाडा की राजधानी ओटावा में अपना पद और कार्यभार संभालेंगे।

वहीं मीडिया रिपोर्टस की मानें तो कनाडा की ओर से भी जल्द ही क्रिस्टोफर कूटर को भारत में नया उच्चायुक्त नियुक्त किए जाने की संभावना है। कूटर इससे पहले दक्षिण अफ्रीका में उच्चायुक्त और इजरायल में चार्ज द'अफेयर्स रह चुके हैं।

भारत-कनाडा विवाद के बाद पहली नियुक्ति

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत और कनाडा के रिश्ते लंबे समय से तनाव में हैं। पिछले साल खालिस्तानी अलगाववादी नेता हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के बाद दोनों देशों में कूटनीतिक खींचतान शुरू हो गई थी। कनाडा ने भारतीय राजनयिकों से पूछताछ करने की कोशिश की थी, जिसके बाद भारत ने भी ओटावा से अपने दूतावास के कई अधिकारियों को वापस बुला लिया था।

इसके साथ ही छह कनाडाई राजनयिकों को निष्कासित कर दिया था। इस विवाद के चलते दोनों देशों में उच्चायुक्त का पद महीनों तक खाली रहा। अब पटनायक की नियुक्ति को रिश्तों में सुधार की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

दिनेश के पटनायक भारतीय विदेश सेवा (IFS) के 1990 बैच के अधिकारी हैं और फिलहाल स्पेन में भारत के राजदूत के रूप में कार्यरत थे। उन्हें तीन दशकों से अधिक का राजनयिक अनुभव है। उन्होंने भारत के मिशनों में जिनेवा, ढाका, बीजिंग और वियना में भी जिम्मेदार पदों पर काम किया है।

पटनायक 2016 से 2018 तक ब्रिटेन में भारत के उप उच्चायुक्त रहे, जहाँ उन्हें भारतीय प्रवासी समुदाय में खालिस्तान समर्थक गतिविधियों से निपटने का अनुभव भी मिला। यही अनुभव उन्हें कनाडा जैसे संवेदनशील देश में बड़ी जिम्मेदारी निभाने में मदद करेगा। विदेश मंत्रालय में भी उन्होंने अफ्रीका, पश्चिमी यूरोप, संयुक्त राष्ट्र और बाहरी प्रचार से जुड़े डिवीजन में महत्वपूर्ण भूमिकाएँ निभाई हैं।

इस नियुक्ति से ठीक एक महीने पहले भारत और कनाडा के बीच नई दिल्ली में बातचीत हुई थी। कनाडा के इंडो-पैसिफिक मामलों के असिस्टेंट डिप्टी मिनिस्टर वेल्डन एप भारत आए थे और दोनों पक्षों ने आपसी चिंताओं पर चर्चा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी जी7 सम्मेलन के दौरान मुलाकात कर रिश्तों को रीसेट करने पर सहमति जताई थी।

भारत की ओर से सबसे बड़ी चिंता कनाडा में सक्रिय खालिस्तानी तत्व हैं, जबकि कनाडा भारतीय आपराधिक गिरोहों की गतिविधियों और भारत में अपने राजनयिकों की संख्या बढ़ाने पर जोर दे रहा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि पटनायक की नियुक्ति भारत- कनाडा रिश्तों में नई ऊर्जा भर सकती है। उनका अनुभव, खासकर प्रवासी भारतीयों से जुड़े मसलों पर, दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली में अहम साबित होगा।

सम्पादकीय

हाकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्रा१ाण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भता हो गए थे। सेना में भता होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भता होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाडियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को वुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था। 1922 में सेना में भता होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आमा हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए वुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी पेडरेशन द्वारा टूनार्मेंट का आयोजन किया गया, जिसमें वुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविस की ओर से टूनार्मेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए। दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है।

प्रधानमंत्री की प्रेरणा से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की शानदार सफलता के चलते गुजरात की एक और नूतन पहल वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस

गांधीनगर, (जीएनएस)। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा तथा मार्गदर्शन में 2003 से शुरू हुई वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट से गुजरात ग्लोबल इंडस्ट्रियल मैप पर अग्रसर बना है। इतना ही नहीं; गुजरात ने विश्वभर के उद्योगों-निवेशकों के लिए गेट-वे टु द फ्यूचर की विशेष पहचान स्थापित की है।

मुख्यमंत्री ने इस संदर्भ में कहा कि हमें प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के आयोजन से गुजरात की इमेज को ह्यवोकल फॉर लोकलह्व से और अधिक उजागर करने तथा विकास का लाभ राज्य के हर कोने में पहुँचाने की नई पहल करनी है।

श्री पटेल गुरुवार को इस वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस के लॉन्चिंग कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत तथा कृषि मंत्री श्री राघवजी पटेल एवं राज्य मंत्री श्री भीखूसिंह परमार की प्रेरक उपस्थिति में कॉन्फ्रेंस के लोगो, वेबसाइट और मोबाइल एप्लिकेशन की लॉन्चिंग भी की।

राज्य के हर प्रदेश की औद्योगिक-आर्थिक स्ट्रेंथ तथा निवेशों की सज्जता का प्लेटफॉर्म बनने वाली इस वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की प्रथम कॉन्फ्रेंस आगामी 9 तथा 10 अक्टूबर को मेहसाणा में आयोजित होने वाली है। इसके बाद सौराष्ट्र, मध्य गुजरात तथा दक्षिण गुजरात क्षेत्रों में ऐसी रीजनल कॉन्फ्रेंस आयोजित होंगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि गुजरात के हर प्रदेश की विशिष्ट प्रोडक्ट तथा पहचान है और वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) की विशेष स्ट्रेंथ भी है। कुछ जिलों में तो ऐसा पोटेंशियल है कि उनमें देश के अन्य राज्यों से भी अनेक गुना अधिक इंडस्ट्रियल आउटपुट एवं प्रोडक्शन है।

उन्होंने यह भी कहा कि गुजरात कृषि, मत्स्योद्योग, फूड प्रोसेसिंग, केमिकल-पेट्रोकेमिकल, जेम्स-

ज्वैलरी, इंजीनियरिंग, फार्मा एवं टेक्सटाइल जैसे परंपरागत क्षेत्रों में हमेशा अग्रसर रहा है। प्रधानमंत्री के दिशादर्शन में अब गुजरात को नए उभरते तथा फ्यूचरिस्टिक सेक्टर्स सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, एयरोस्पेस, डिफेंस, ग्रीन एनर्जी में आत्मनिर्भरता के साथ लीडर बनाना है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का स्पष्ट संकल्प है कि हमें ऐसा राष्ट्र-राज्य बनाना है; जहाँ टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप, रिसर्च, प्रोडक्शन; हर क्षेत्र में स्वदेशी की प्राथमिकता हो। स्वदेशी तथा आत्मनिर्भरता को प्रमोट करने के लिए प्रधानमंत्री ने वोकल फॉर लोकल तथा लोकल फॉर ग्लोबल का मंत्र दिया है। मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस इस मंत्र को साकार करेगी।

उन्होंने कहा कि गुजरात में जो उद्योग आएँ, वे उन जिलों में स्थापित हों, जहाँ औद्योगिक विकास की विशेषताएँ हैं। इस दिशा में प्रयास में यह रीजनल कॉन्फ्रेंस परिणामदायी बनेगी।

इतना ही नहीं; क्वालिटी प्रोडक्ट से उस जिले की ब्रैंड इमेज बनेगी और विकास का सच्चा लाभ राज्य के हर कोने में पहुँचने से ह्यसबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयासह्व का ध्येय पूरा होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट समिट से प्रधानमंत्री ने मंशा रखी थी कि राज्य के उद्योग एवं अर्थव्यवस्था विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धा करें। यह मंशा इस समिट की उत्तरोत्तर सफलता से पूरी हो रही है और गुजरात आज विश्व के अनेक बड़े औद्योगिक घरानों का केन्द्र व हब बना है। बड़े उद्योगों के आने से उनके अनुरूप छोटे उद्योग तथा एमएसएमई विकसित हुए हैं और एमएसएमई तो राज्य के औद्योगिक विकास का बैक बोन बने हैं।

उन्होंने जोड़ा कि वाइब्रेंट समिट के चलते जो उद्योग व निवेश गुजरात में आएँ, उन्हें जमीन मिलने से लेकर उद्योग शुरू होने तक की जरूरी अनुमतियाँ तथा व्यवस्थाएँ भी ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से राज्य सरकार ने सरल बनाई हैं। अनेक रिफॉर्म्स तथा 20 से अधिक पॉलिसीज द्वारा गुजरात पॉलिसी ड्रिवन तथा प्रो-एक्टिव गवर्नेंस स्टेट बना है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस की यह नूतन पहल राज्य के उद्योगों को प्रधानमंत्री के विकसित भारत@2047 के विजन को आत्मनिर्भर भारत तथा वोकल फॉर लोकल एवं लोकल फॉर ग्लोबल का दिशादर्शन कराने का महत्वपूर्ण प्लेटफॉर्म बनेगी।

इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि गुजरात में आयोजित गत वाइब्रेंट समिट में 45 हजार करोड़ रुपए का निवेश आया और 2600 से अधिक

बाढ़ : प्राकृतिक आपदा या मानवजनित त्रासदी ?

कहना गलत नहीं होगा कि मनुष्य अपनी सुविधाओं और लालच के लिए लगातार प्रवृति से खिलवाड़ कर रहा है। जंगलों की कटाई, नदियों का दोहन, प्रदूषण, अंधाधुंध शहरीकरण और औद्योगिकीकरण ने पर्यावरण का संतुलन बिगाड़ दिया है। इसका परिणाम हमें भूवंप, बाढ़, सूखा, भूस्खलन, ग्लोबल वरमिग और जलवायु परिवर्तन जैसी आपदाओं के रूप में भुगतना पड़ रहा है।

इस साल देशभर में बारिश बहुत ज्यादा कहर मचा रही है।

जगह-जगह तबाही का आलम है।

बरसात, जो कभी वरदान कहलाती थी, आज कई राज्यों में कहर बनकर बरस रही है। सच तो यह है कि इस बार मॉनसून ने अपनी रौद्र लीला से पूरे उत्तर भारत को हिलाकर रख दिया है।

देश में बहुत सी नदियां उफान पर हैं,तो बांध खतरे के निशान को छू रहे हैं, और जगह-जगह भूस्खलन व बादल फटने की घटनाएं प्रवृति के रौद्र रूप की भयावह तस्वीर पेश कर रही हैं। मीडिया के हवाले से आई खबरों से पता चलता है कि उत्तर भारत में लगातार भारी बरसात के बाद जम्मू के कटरा स्थित वैष्णोदेवी धाम के मार्ग पर भूस्खलन से अब तक 38 लोगों की मौत हो गई है।

बहुत ही दुखद है कि दर्शन की लालसा में निकले श्रद्धालु अचानक आई इस त्रासदी का शिकार हो गए।

जानकारी के अनुसार मंदिर दर्शन के लिए जा रहे कई श्रद्धालु अर्धवुंवारी के पास मार्ग पर भूस्खलन व भारी बारिश की चपेट में आ गए। प्रत्यक्षर्दशियों के अनुसार मंदिर मार्ग पर कई जगह पत्थर गिरने से हादसे हुए। सेना के जवान और बचाव दल लगातार राहत कार्यो में जुटे हैं। इधर, भूस्खलन के बाद वैष्णोदेवी की यात्रा भी रोक दी गई। इस घटना पर हमारे देश के प्रधानमंत्री सहित देशभर ने मृतकों के प्रति गहरा शोक व संवेदना व्यक्त की है। यह पहली बार है कि वैष्णो देवी यात्रा में इतनी बड़ी त्रासदी सामने आई है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि जम्मू-कश्मीर में पिछले 24 घंटों में 210 एमएम तथा जम्मू में 380 बारिश दर्ज की गई है। यहां हुई बारिश ने पिछले कई सालों का रेकॉर्ड तोड़ दिया है। मीडिया में आया है कि जम्मू-पठानकोट तथा जम्मू-श्रीनगर हाइवे को भारी क्षति पहुंची है। तवी, चिनाब नदी सहित अन्य नदियों के उफान व बाढ़ से स्थानीय जनजीवन अस्त- व्यस्त हो गया है। जानकारी के अनुसार सेना ने 10 हजार से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाया है। इधर, रेलवे ने जम्मू मार्ग की 58 ट्रेनों का संचालन निरस्त किया है, वहीं 18 ट्रेनों का रूट बदला गया है।

उधर, हिमाचल प्रदेश की नदियां व्यास-सतलुज व रावी में भारी बाढ़ चल रही है। चंडीगढ़- मनाली हाइवे को भारी क्षति होने से वुल्लु व मनाली का सम्पर्व कट गया है। लेह एयरपोर्ट से सभी उड़ानें निरस्त कर दी गई हैं। इतना ही नहीं, पठानकोट पंजाब के माधोपुर हेडवर्क्‍स के निकट बुधवार 27 अगस्त को सेना के हेलिकॉप्टर ने एक इमारत से 22 सीआरपीएफ जवानों और नागरिकों को निकालकर एक बड़ा हादसा टाल दिया। पंजाब में बाढ़ जैसे हालात हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार पोंग व भाखड़ा-नांगल बांधों से पानी निकासी के बाद भयानक बाढ़ से पठानकोट, गुरदासपुर, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर सहित कई क्षेत्रों में हालात बिगड़ गए।

गुरदासपुर में नवोदय विद्यालय के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट से ज्यादा पानी भरने से 400 विद्याथा व शिक्षक पंस गए। रावी नदी में बाढ़ के कारण करतारपुर कॉरिडोर पर 7 फीट तक पानी भर गया। इसके कारण पाकिस्तान में करतारपुरा गुरुद्वारा साहिब भी डूब गया बताते हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार सभी को निकालते ही इमारत भी बह गई।

इसी ाम में हिमाचल प्रदेश की नदियां भी रौद्र रूप धारण कर चुकी हैं। चम्बा में मणि महेश यात्रा बाधित हुई और करीब 2,000 यात्री जगह-जगह पंसे। पंजाब में बांधों (डैम्स) का पानी खतरे के निशान तक पहुंच गया है और गेट खोलने की नौबत आ चुकी है।

छत्तीसगढ़ में हालात बुरे हैं।

जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में बीते दो दिन बारिश ने तबाही मचा दी। इसे 94 साल बाद बड़ी आपदा बताया जा रहा है।

खबरों के अनुसार बीते 24 घंटे में 217 एमएम बारिश दर्ज की गई है तथा सेना ने हेलिकॉप्टर से बाढ़ में पंसे 100 लोगों को रेस्क्यू किया है। एक जानकारी के अनुसार यहां कार के साथ बहे परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। इधर, उत्तराखंड और जम्मूकश्मीर में भी हालात बेकाबू होते जा रहे हैं। सड़वें, पुल और मार्ग बाधित हो रहे हैं।

कहना गलत नहीं होगा कि धरमिक यात्राओं पर यह प्रावृतिक प्रकोप गहरा असर डाल रहा है। बहरहाल, पाठकों को बताता चलूं कि आइएमडी के अनुसार जम्मू-कश्मीर, उत्तराखंड, हिमाचल, पूवा राजस्थान,

केरल क्रिकेट लीग में संजू सैमसन का जलवा जारी! एशिया कप से पहले किया बड़ा धमाका! 37 गेंदों में जड़ दिए इतने रन

(जीएनएस)। केरल क्रिकेट लीग (KCL) 2025 में संजू सैमसन का बल्ला लगातार आग उगल रहा है। एशिया कप से ठीक पहले यह स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज शानदार फॉर्म में नजर आ रहे हैं। कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए सैमसन ने तिरुवनंतपुरम रॉयल्स के खिलाफ 37 गेंदों पर धुआंधार 62 रनों की पारी खेली। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 167.57 रहा।

संजू सैमसन ने की दमदार शुरूआत

टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने उतरी तिरुवनंतपुरम रॉयल्स की शुरूआत ही गलत साबित हुई। संजू सैमसन और उनके ओपनिंग पार्टनर विनूप मनोहरन ने पहले विकेट के लिए तेज 68 रन जोड़ दिए। मनोहरन ने 42 रन बनाए, लेकिन असली शो सैमसन का था। उन्होंने चार चौके और पांच गगनचुंबी छक्के लगाकर

दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

एशिया कप से पहले फॉर्म में लौटे सैमसन

यह पारी सैमसन के लिए खास इसलिए भी रही क्योंकि यह उनका लगातार तीसरा पचास प्लस स्कोर है। इस शानदार लय के चलते कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने निर्धारित 20 ओवर में 191/5 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। सैमसन की यह आतिशी फॉर्म भारतीय टीम प्रबंधन के लिए भी सिरदर्द बन सकती है। एशिया कप 2025 के लिए टीम में उनकी जगह पक्की नहीं मानी जा रही क्योंकि शुभमन गिल की वापसी हो गई है और अब उन्हें अभिषेक शर्मा के साथ ओपनिंग कराए जाने की चचाएं हैं।

हालांकि, संजू का प्रदर्शन चयनकताओं को मजबूर कर सकता है कि वह उन्हें प्लेइंग इलेवन में जगह दें। पिछले दिनों टी-20 इंटरनेशनल में भी सैमसन ने ओपनर के रूप में शानदार प्रदर्शन किया था। रोहित शर्मा की गैरमौजूदगी में उन्होंने तीन ताबड़तोड़ शतक जड़े और खुद को साबित किया। ऐसे में ङउछ में उनकी धमाकेदार बल्लेबाजी उनकी दावेदारी को और मजबूत कर रही है। टीम के लिए निकिल थोटाथ और जोबिन जोबी ने भी अहम योगदान दिया। उनकी मदद से कोच्चि की टीम 191 रन तक पहुंच सकी।

सिंधू ने चीन की वर्ल्ड नंबर-2 झी यी वांग को सीधे सेटों में हराया

भारतीय बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने एक बार फिर अपने प्रदर्शन से सभी का दिल जीतने का काम किया है। धमाकेदार परफॉर्मेंस से उन्होंने दिखा दिया कि आखिर क्यों उन्हें दुनिया की टॉप खिलाड़ियों में गिना जाता है। गुरुवार को उन्होंने चीन की वर्ल्ड नंबर-2 झी यी वांग को सीधे सेटों में हराकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। पेरिस में खेले गए इस मुकाबले में सिंधु ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए 21-19, 21-15 से जीत हासिल की।

छठे वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल से सिर्फ एक कदम है दूर (इहऋहङ्ग१ 'ि उँस्र्रङ्गल्लर्स्र२, ढश् ्रल्लोँ४)

इस जीत के साथ सिंधु का टूनार्मेंट में शानदार सफर जारी है। खास बात यह है कि उन्होंने अब तक खेले गए तीनों मैचों में एक भी गेम नहीं गंवाया है। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट सिंधु अपने छठे वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडल से अब सिर्फ एक जीत दूर हैं। पीवी सिंधु इस मुकाबले में भी अपना बेस्ट देना चाहेगी। अगर वह ऐसा करने में सफल होती है तो यह उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि होगी।

क्वार्टरफाइनल में कौन होगा सिंधु के सामने?

क्वार्टरफाइनल में सिंधु का सामना इंडोनेशिया की वर्ल्ड नंबर-9 खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वाडार्नी से होगा। दोनों के

बीच अब तक चार मुकाबले हो चुके हैं, जिसमें सिंधु ने दो बार जीत दर्ज की है। हालांकि, वाडार्नी इस समय बेहतरीन फॉर्म में हैं। साल 2025 में उन्होंने 27 मैच जीते हैं और सिर्फ 12 हारे हैं। ऐसे में यह मुकाबला रोमांचक होने की उम्मीद की जा रही है।

दूसरी ओर सिंधु का यह सीजन उतार-चढ़ाव भरा रहा है। उन्होंने इस साल अब तक 9 मैच जीते और 12 हारे हैं। बावजूद इसके, वर्ल्ड चैंपियनशिप में उनका अनुभव और बड़े मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन उन्हें वाडार्नी के खिलाफ बढ़त दिला सकता है। जबकि 23 वर्षीय वाडार्नी इस साल लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने थाईलैंड मास्टर्स और स्विस ओपन में तीसरा स्थान हासिल किया है। ऐसे में सिंधु के लिए यह मुकाबला आसान नहीं होने वाला।

असल में माचिस की तीली हैं तान्या मित्तल, 'बिग बॉस 19' में कर दी ऐसी हरकत

'बिग बॉस सीजन 19' ने अब रफ्तार पकड़नी शुरू कर दी है। अब शो में हर सीजन की तरह, ड्रामा होना शुरू हो गया है। इतना ही नहीं अब साजिश भी बढ़ती जा रही है। इसकी शुरूआत तान्या मित्तल ने की है। उन्होंने मां और बेटे के बीच आग लगा दी है। इसे उन्होंने खुद बिग बॉस 19 के नए प्रोमो में बोला है।

तान्या ने गौरव खन्ना और कुनिका सदानंद के बीच आग लगाई है। दोनों के बीच मां-बेटे का एंगल चल रहा था। जिसे दर्शक भी पसंद करने लगे थे। लेकिन अब ये रिश्ता टूटने की कगार पर है। प्रोमो में दोनों के बीच बहस होती भी दिख रही है।

शो की शुरूआत में गौरव खन्ना और कुनिका सदानंद के बीच अच्छी दोस्ती हो गई थी। बातों ही बातों में उन्होंने इस मजबूत बॉन्डिंग को मां-बेटे के रिश्ते का रूप दे दिया। क्योंकि कुनिका ने खुद कई बार कहा कि गौरव उनके बेटे की उम्र के हैं। यहीं से इस रिश्ते की शुरूआत हुई। अब बात करते हैं नए प्रोमो की। इसमें दिखाया गया है कि तान्या मित्तल ने कुनिका को चतुराई से गौरव के खिलाफ भड़काना शुरू किया। कुनिका उनकी पूरी बातें सुनी हैं। इसके बाद वो कहती हैं कि गौरव मेरा करीबी नहीं है। हालांकि तान्या की बातों को कुनिका सीरियस नहीं लेती हैं। लेकिन तान्या उन्हें लगातार भड़काती रहती हैं।

प्रोमो में कुनिका गौरव से कहती हैं "मैं किसी की मां नहीं हूं, अगर कोई मुझे इस नजरिए से देखता है तो सामने आकर इज्जत से कहे। ऐसा नहीं है कि पीठ पीछे गेम न खेले।" इन सबके बीच तान्या बाहर जाती हैं और जीशान कादरी को कहती हैं कि मैं आग लगा दी है। जिसके बाद अब सोशल मीडिया पर लोग तान्या मित्तल को तरह तरह की बातें कह रहे हैं। कुछ कह रहे हैं कि उनका असली चेहरा सामने आ गया है। कोई उन्हें माचिस की तीली भी कह रहा है।

विपक्ष के ख्याली पुलाव पर आरएसएस प्रमुख ने यूं फेरा पानी!

(जीएनएस)। क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सितंबर 2025 में 75 साल के होने पर राजनीति से संन्यास ले लेंगे? यह सवाल लंबे समय से विपक्ष के तंज और सियासी गलियारों की चर्चा का केंद्र रहा। लेकिन गुरुवार, 28 अगस्त 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) प्रमुख मोहन भागवत ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुए भागवत ने साफ कहा, 'मैंने कभी नहीं कहा कि मुझे या किसी को 75 साल की उम्र में रिटायर होना चाहिए।' फ्रर की 100वीं वर्षगांठ के मौके पर उन्होंने यह भी जोड़ा, 'मैं 80 साल का हो जाऊं, तब भी संघ का काम करता रहूंगा।' आइए, इस सियासी ड्रामे की पूरी कहानी और इसके पीछे की सच्चाई खंगालते हैं!

75 साल की उम्र में रिटायरमेंट का कथित 'फ्रर नियम' विपक्ष ने बार-बार उठाया, लेकिन मोहन भागवत ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, 'संघ में हम स्वयंसेवक हैं। हमें जो काम सौंपा जाता है, वही करते हैं- चाहे उम्र 75 हो या 80।' भागवत, जो 11 सितंबर को 75 साल के हो जाएंगे, ने हल्के अंदाज में कहा, 'संघ हमें जो कहेगा, वही करेंगे। रिटायरमेंट का कोई सवाल ही नहीं।'

यह बयान पीएम मोदी की रिटायरमेंट की अटकलों को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम है, जो 17 सितंबर को 75 साल के होंगे। भागवत के इस बयान ने यह भी साफ किया कि फ्रर में कोई औपचारिक उम्र सीमा नहीं है, और मोदी का भविष्य उनकी इच्छा और संघ की रणनीति पर निर्भर करेगा।

भाजपा ने हमेशा से दावा किया है कि 75 साल की उम्र में रिटायरमेंट का कोई नियम नहीं है। गृह मंत्री अमित शाह ने मई 2024 में कहा था, 'इखढ के संविधान में उम्र की कोई सीमा नहीं। PM मोदी 2025 के बाद भी नेतृत्व करेंगे।' पार्टी ने बिहार के 80 वर्षीय नेता और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का उदाहरण दिया, जो इस 'कथित सीमा' को पार कर चुके हैं।

महाराष्ट्र के CM देवेंद्र फडणवीस ने भी पर लिखा, '2029 में भी हम PM मोदी को फिर से प्रधानमंत्री के

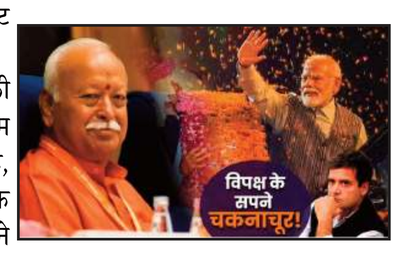

रूप में देखेंगे। विपक्ष का रिटायरमेंट प्रचार बेकार है।' इखढ ने यह भी जोड़ा कि मोदी का तीसरा कार्यकाल (मोदी 3.0) उनकी मजबूत छवि और जनता के भरोसे का सबूत है।

विपक्ष का तंजः 'मोदी शाह को ढट बनाने की राह बना रहे'

विपक्ष ने इस '75 साल नियम' को बार-बार हथियार बनाया। 2019 में लालकृष्ण आडवाणी (92) और मुरली मनोहर जोशी (90) जैसे दिग्गजों को टिकट न देने का हवाला देते हुए AAP नेता अरविंद केजरीवाल ने कहा, 'मोदी 2025 में रिटायर होंगे। वह अमित शाह को PM बनाने के लिए वोट मांग रहे हैं।'

शिवसेना (UBT) के संजय राउत ने मार्च 2025 में मोदी की नागपुर यात्रा पर तंज कसा, 'मोदी RSS मुख्यालय गए, शायद रिटायरमेंट लेटर लिखने। उनका उत्तराधिकारी महाराष्ट्र से होगा।' राउत के इस दावे पर BJP ने पलटवार किया, और फडणवीस ने कहा, 'राउत का बयान हास्यास्पद है। मोदी ही BJP और देश का चेहरा हैं।'

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी पर लिखा, 'RSS और BJP का 75 साल का नियम अब क्यों छिपाया जा रहा है? जनता को सच बताएं!' लेकिन भागवत के ताजा बयान ने विपक्ष के इस नैरेटिव को करारा झटका दिया।

भागवत ने BJP के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष की तलाश पर भी चुटकी ली। BJP में जेपी नड्डा का कार्यकाल खत्म होने के बाद नए अध्यक्ष की खोज में देरी हो रही है। सूत्रों के मुताबिक, RSS

टेस्ट में टीम इंडिया का सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज कौन? गिल-जायसवाल नहीं चेतेश्वर पुजारा ने लिया इस दिग्गज का नाम

(जीएनएस)। भारतीय टीम के सुपरस्टार खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। पुजारा भारत के लिए सबसे लंबे फॉर्मेट टेस्ट टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा के बाद आखिरकार अब पुजारा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। भारतीय टेस्ट टीम के भरोसेमंद बल्लेबाज पुजारा ने हाल ही में अपने पसंदीदा खिलाड़ी को लेकर बयान दिया है।

पुजारा ने लिया केएल राहुल का नाम

भारतीय टेस्ट टीम में केएल राहुल को पुजारा ने सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज बताया है। राहुल को टीम के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट बल्लेबाजों में से एक माना जाता रहा है और इसके पीछे उनके क्लासिक खेलने का अंदाज है। आज के दौर में जहां खिलाड़ी तेज रन बनाने की होड़ में रहते हैं, वहीं राहुल अपनी पारंपरिक तकनीक और धैर्य के दम पर टीम के लिए नींव मजबूत करते हैं।

टेस्ट के सबसे बेहतरीन बल्लेबाज हैं राहुल

चेतेश्वर पुजारा ने राहुल की तारीफ करते हुए कहा कि वह टीम के सबसे बेहतरीन टेस्ट बल्लेबाजों में से एक हैं। उनकी तकनीक भारतीय टीम में सबसे सटीक मानी जाती है। यह भी अच्छा है कि वह पारी की शुरूआत कर रहे हैं, जिससे पूरी टीम के लिए मजबूत आधार बन रहा है।" यह बयान खुद इस बात की गवाही देता है कि राहुल की ओपनिंग कितनी अहम है।

क्या है राहुल की खासियत

केएल राहुल की ताकत उनकी क्लासिक डिफेंस और शॉट सेलेक्शन है। विदेशी पिचों पर जहां तेज गेंदबाजों की धार सबसे ज्यादा होती है, वहां भी राहुल अपनी तकनीक से टिकते हैं। उनकी क्रीज पर मौजूदगी गेंदबाजों के लिए चुनौती बन जाती है। चाहे स्विंग हो, बाउंस हो या स्पिन, राहुल के पास हर परिस्थिति से निपटने का हुनर है। यही कारण है कि वह लंबे समय तक क्रीज पर रहकर पारी को संभालते हैं।

फाउंडेशन सेट करने वाले प्लेयर हैं राहुल

आज की क्रिकेट में जहां बल्लेबाज तेज रन बनाने पर फोकस करते हैं, राहुल का धैर्यपूर्ण खेल टेस्ट क्रिकेट की असली पहचान को बनाए रखता है। उनकी बल्लेबाजी से टीम को न केवल स्थिरता मिलती है, बल्कि मिडिल ऑर्डर को बड़ा स्कोर बनाने का मौका भी मिलता है। यही वजह है कि पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी राहुल को फाउंडेशन सेट करने वाला प्लेयर कहते हैं।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

पश्चिम रेलवे चलाएगी दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनें

मुंबई, यात्रियों की सुविधा हेतु तथा दुर्गा पूजा, दीपावली एवं छठ पूजा के अवसर पर बढ़ती हुई यात्रा की मांग को ध्यान में रखते हुए, पश्चिम रेलवे द्वारा उधना – मालदा टाउन तथा वडोदरा – कोलकाता के बीच विशेष किराये पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण इस प्रकार है:

1. ट्रेन संख्या 03418/03417 उधना – मालदा टाउन साप्ताहिक स्पेशल [14 फेरे]

ट्रेन संख्या 03418 उधना – मालदा टाउन स्पेशल प्रत्येक सोमवार को उधना से 12:30 बजे प्रस्थान करेगी और बुधवार को 02:55 बजे मालदा टाउन पहुँचेगी। यह ट्रेन 29 सितम्बर से 10 नवम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 03417 मालदा टाउन – उधना स्पेशल प्रत्येक शनिवार को मालदा टाउन से 12:20 बजे प्रस्थान करेगी और सोमवार को 00:45 बजे उधना पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 सितम्बर से 08 नवम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में चलथान, व्यारा, नवापुर, नंदुरबार, दोंडाइचा, अमलनेर, भुसावल, इटारसी, पिपरिया, मदन महल, कटनी, सतना, माणिकपुर, प्रयागराज छिवकी, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, अभयपुर, जमालपुर, सुल्तानगंज, भागलपुर, कहलगांव, साहिबगंज, बरहरवा तथा न्यू फरक्का स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

2. ट्रेन संख्या 03110/03109 वडोदरा – कोलकाता साप्ताहिक स्पेशल [18 फेरे]

ट्रेन संख्या 03110 वडोदरा – कोलकाता स्पेशल प्रत्येक गुरुवार को वडोदरा से 16:45 बजे प्रस्थान करेगी और शनिवार को 04:05 बजे कोलकाता पहुँचेगी। यह ट्रेन 2 अक्टूबर से 27 नवम्बर, 2025 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 03109 कोलकाता – वडोदरा स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को कोलकाता से 08:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 19:45 बजे वडोदरा पहुँचेगी। यह ट्रेन 30 सितम्बर से 25 नवम्बर, 2025 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में गोधरा, रतलाम, कोटा, गंगापुर सिटी, इदगाह आगरा, टुंडला, गोविंदपुरी, प्रयागराज, पं. दीनदयाल उपाध्याय, सासाराम, गया, तिलैया, नवादा, शेखपुरा, किऊल, झाझा, जसीडीह, मधुपुर, चित्तरंजन, आसनसोल, दुर्गापुर तथा बर्द्धमान स्टेशनों पर ठहरेगी।

इस ट्रेन में एसी-3 टियर, स्लीपर क्लास एवं द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या 03418 एवं 03110 की बुकिंग 30 अगस्त, 2025 से पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

वसई रोड स्टेशन के प्लेटफॉर्म क्रमांक 06 एवं 07 पर दूसरे उत्तरी पैदल ऊपरी पुल की दक्षिणी सीढ़ियाँ हटाई जाएँगी

मुंबई, 28 अगस्त, 2025

वसई रोड स्टेशन के स्टेशन सुधार कार्य के दृष्टिगत, प्लेटफॉर्म क्रमांक 6 एवं 7 पर स्थित दूसरे उत्तरी पैदल ऊपरी पुल (FOB) की दक्षिणी सीढ़ियों को एलिवेटेड डेक की नींव का कार्य करने हेतु हटाया जाना प्रस्तावित है। अतः यह सीढ़ियाँ 29 अगस्त, 2025 की रात से यात्रियों के लिए बंद रहेंगी।

इस अवधि में यात्री दूसरे उत्तरी पैदल ऊपरी पुल की उत्तरी सीढ़ियों तथा मौजूदा उत्तरी पैदल ऊपरी पुल की दक्षिणी सीढ़ियों का उपयोग कर सकते हैं।

यात्रियों को होने वाली असुविधा के लिए पश्चिम रेलवे द्वारा खेद व्यक्त किया गया है।

मानसून और अगस्त गुजर रहा भारी, अचानक लैंडस्लाइड से दरक रहे पहाड़, लगातार बढ़ रही मुसीबतें

(जीएनएस)।

उत्तराखंड में मानसून और अगस्त का महिना पहाड़ी जिलों पर भारी गुजर रहा है। आए दिन हो रहे लैंडस्लाइड लोगों के लिए मुसीबतें बनी हुई हैं। जिससे पहाड़ों में लाइफलाइन पर भी बुरा असर पड़ रहा है। आए दिन बारिश और भूस्खलन से घंटों हाईवे बाधित हो रहे हैं।

जिससे रोजमर्रा की जिंदगी प्रभावित हो रही है। मेडिकल से लेकर इमरजेंसी में जो लोग सफर कर रहे हैं, उनके लिए सड़कों पर पल पल भारी गुजर रहा है। ऐसा ही कुछ नजारा गुरुवार को उत्तरकाशी के नगुण के समीप नजर आया। यहां पहाड़ी से अचानक भारी भूस्खलन हुआ।

जिसके कारण कई घंटे तक गंगोत्री हाईवे आवाजाही के लिए बंद हो गया। जिससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालांकि दोनों ओर वहां पर मशीनें तैनात थी, जिन्होंने कड़ी मशक्कत के बाद रात में यातायात को संचालन किया। लेकिन जिस समय लैंडस्लाइड हुआ मानो पूरा पहाड़ की नीचे उतर आया हो।

इसके साथ ही गंगोत्री हाईवे पर डबरानी के समीप भूस्खलन होने के कारण सड़क पर आवाजाही करीब चार घंटे बंद रही। बीआरओ की मशीनरी ने कड़ी मशक्कत के बाद मलबा हटाकर आवाजाही शुरू करवाई। पहाड़ी से लगातार बोल्डर आ रहे हैं। गंगोत्री हाईवे पर डबरानी पर पहाड़ी से हो रहा भूस्खलन बीआरओ और प्रशासन के लिए लगातार मुसीबत बना हुआ है।

बीते करीब 20 दिन से हरसिल घाटी का मुख्यालय से कनेक्शन कटा हुआ है, जिसे सुचारु करने का प्रयास किया जा रहा है। हर्षिल में तेलगाड में ह्यूमपाईप लगाकर गंगोत्री हाईवे पर आवाजाही शुरू करवाने का प्रयास कर रहे हैं। हर्षिल झील में डूबी सड़क में लगातार मलबा डालकर सड़क खोलने को प्रयास किया जा रहा है।

जिसके लिए कड़ी मशक्कत हो रही है। झील को भी खोलने का काम जारी है। किसानों और स्थानीय लोगों के सामने अब आजीविका और रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। सेब, आलू और सब्जियों के खराब होने का डर सता रहा है। स्थानीय लोगों का पर्यटन के बाद यही एक मात्र रोजगार है। पर्यटन पहले से ही चौपट हो गया है। ऐसे में अब किसानी, खेती बाडी भी प्रभावित हो रही है।

उधर आज चमोली में भारत चीन सीमा से लगे जोशीमठ निति सड़क भलगांव के पास मलबा आने से अवरुद्ध रहा। स्थानीय लोगो का कहना है की सुबह से ही सड़क बंद होने के चलते लोगो को आवाजाही करने परेशानियों का समाना करना पढ़ रहा है। हालांकि प्रशासन की और सड़क से मलबा हटाने का कार्य जारी है।

हर्षिल-धराली आपदा के बाद गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग के जलमग्न हुए हिस्से को बहाल करने का कार्य निरन्तर गतिमान है। जलमग्न हुए हिस्से से जल की निकासी को व्यवस्थित कर मार्ग निर्माण कार्य करने के लिए ह्यूम पाइप भी मौके पर पहुंचाएं जा चुके हैं साथ ही मार्ग के दूसरे छोर पर भी एक एस्केलेटर और एक जेसीबी के द्वारा कार्य जारी है। धराली-हर्षिल में अतिवृष्टि के कारण आयी प्राकृतिक आपदा से हर्षिल क्षेत्र में अस्थायी झील बनने तथा कई स्थानों पर सड़क संपर्क मार्ग बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने से आवाजाही बाधित हो गई थी।

मार्ग बहाली और आवाजाही को सुचारू करने का कार्य निरन्तर युद्ध स्तर किया जा रहा है। लिमच्यागाड , डबरानी और सोनगाड जैसे चुनौतीपूर्ण स्थानों पर क्षतिग्रस्त मार्गों को बहाल करके उत्तरकाशी से हर्षिल तक सड़क संपर्क बहाल किया जा चुका हैं साथ ही विकट परिस्थितिया होने पर भी प्रशासन द्वारा हर्षिल , धराली और आसपास के क्षेत्रों में बिजली, पानी और संचार संपर्क भी बहाल कर दिया गया है।

इस वजह से बदला 3 दर्जन से अधिक ट्रेनों का मार्ग,

(जीएनएस)। परिचालनिक सुगमता हेतु मूलभूत ढ़ाँचे में विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण हेतु पूर्वोत्तर रेलवे के गोरखपुर जं.-डोमिनगढ़ (04 किमी.) तीसरी लाइन की कमीशनिंग तथा गोरखपुर-नकहा जंगल (05 किमी.) दोहरीकरण की कमीशनिंग हेतु 22 सितम्बर, 2025 को प्री-इण्टरलॉक एवं 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक नान इण्टरलॉक कार्य हेतु ब्लाक दिये जाने के कारण गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन निम्नवत किया जायेगा। नान इण्टरलॉक कार्य के उपरान्त 26 सितम्बर, 2025 को रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा निरीक्षण किया जायेगा।

मार्ग परिवर्तन-

1. कटिहार से 21 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 15707 कटिहार-अमृतसर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी-ऐशबाग-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-बनारस-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी एकमा, सीवान, मैरवा, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, मनकापुर, गोंडा, बाराबंकी, बादशाहनगर, ऐशबाग एवं उन्नाव स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

अमृतसर से 20 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 15708 अमृतसर-कटिहार एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग कानपुर सेंट्रल-ऐशबाग-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-बनारस-वाराणसी जं.-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी उन्नाव, ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, मैरवा, सीवान एवं एकमा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

2. बान्द्रा टर्मिनस से 21 से 25 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 19037 बान्द्रा टर्मिनस-बरौनी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर-नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग मानक नगर-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-सुल्तानपुर-वाराणसी जं.-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ऐशबाग, लखनऊ सिटी, बादशाहनगर, गोमती नगर, बाराबंकी, बुढ़वल, जरवल रोड, करनैलगंज, गोंडा, मनकापुर, मसकनवा, स्वामी नारायन छपिया, बभनान, गौर, बस्ती, खलीलाबाद, मगहर, सहजनवा, गोरखपुर, पिपराइच, कप्तानगंज, सिसवा बाजार, खड्डा, पनियहवा, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली, बापूधाम मोतिहारी, पीपरा, चकिया, मेहसी एवं मोतीपुर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

बरौनी से 23 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 19038 बरौनी-बान्द्रा टर्मिनस एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-सुल्तानपुर-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-मानक नगर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी मोतीपुर, मेहसी, चकिया, पीपरा, बापूधाम मोतिहारी, सगौली, बेतिया, नरकटियागंज, हरिनगर, बगहा, पनियहवा, खड्डा, सिसवा बाजार, कप्तानगंज, पिपराइच, गोरखपुर, सहजनवा, मगहर, खलीलाबाद, बस्ती, गौर, बभनान, स्वामी नारायन छपिया, मसकनवा, मनकापुर, गोंडा, करनैलगंज, जरवल रोड, बुढ़वल, बाराबंकी, गोमती नगर, बादशाहनगर, लखनऊ सिटी एवं ऐशबाग स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

3. आनन्द विहार टर्मिनल से 21 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 14012 आनन्द विहार टर्मिनल-राधिकापुर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रोजा-सीतापुर-गोंडा-गोरखपुर-नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-सुल्तानपुर-वाराणसी जं.-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, कप्तानगंज, नरकटियागंज, बेतिया, सगौली एवं बापूधाम मोतिहारी स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

4. जयनगर से 24, 25 एवं 27 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 14673 जयनगर-अमृतसर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-सुल्तानपुर-लखनऊ (उत्तर रेलवे) के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, मैरवा, भाटपार रानी, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर, गोंडा एवं बाराबंकी स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

अमृतसर से 21, 23, 25 एवं 26 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 14674 अमृतसर-जयनगर एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-वाराणसी जं.-वाराणसी सिटी-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी, भाटपार रानी, मैरवा एवं सीवान स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

5. अमृतसर से 22 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15532 अमृतसर-सहरसा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रोजा-सीतापुर-बुढ़वल-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-सुल्तानपुर-वाराणसी जं.-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीतापुर, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर, भटनी एवं सीवान स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

6. गुवाहाटी से 22 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15651 गुवाहाटी-जम्मूतवी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-भटनी-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-सुल्तानपुर-लखनऊ (उत्तर रेलवे) के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती एवं गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

7. उदयपुर सिटी से 22 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 19615 उदयपुर सिटी-कामाख्या एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर-भटनी-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग लखनऊ (उत्तर रेलवे)-सुल्तानपुर-वाराणसी जं.-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी अयोध्या धाम जं., मनकापुर, गोरखपुर, देवरिया सदर

एवं भटनी स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

कामाख्या से 25 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 19616 कामाख्या-उदयपुर सिटी एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग छपरा-भटनी-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-सुल्तानपुर-लखनऊ (उत्तर रेलवे) के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी भटनी, देवरिया सदर, गोरखपुर, मनकापुर एवं अयोध्या धाम जं. स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

8. छपरा से 24 एवं 26 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15109 छपरा-मथुरा जं. एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग भटनी-गोरखपुर-गोंडा-ऐशबाग-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग भटनी-मऊ-औंड़िहार-वाराणसी जं.-बनारस-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी देवरिया सदर, गोरखपुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, बस्ती, बभनान, मसकनवा, मनकापुर, गोंडा, बाराबंकी, बादशाहनगर एवं ऐशबाग स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

मथुरा जं. से 22, 24 एवं 26 सितम्बर, 2025 को चलने वाली 15110 मथुरा जं.-छपरा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग कानपुर सेंट्रल-ऐशबाग-गोंडा-गोरखपुर-भटनी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-बनारस-वाराणसी जं.-औंड़िहार-मऊ-भटनी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी, गोंडा, मनकापुर, मसकनवा, बभनान, बस्ती, गोरखपुर, खलीलाबाद, गोरखपुर एवं देवरिया सदर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

9. बरौनी से 22 से 27 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 02563 बरौनी-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग छपरा-गोरखपुर-बाराबंकी-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-बनारस-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती एवं ऐशबाग स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

नई दिल्ली से 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 02564 नई दिल्ली-बरौनी विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग कानपुर सेंट्रल-बाराबंकी-गोरखपुर-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-बनारस-वाराणसी जं.-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर एवं सीवान स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

10. दरभंगा से 22 से 27 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 02569 दरभंगा-नई दिल्ली विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग छपरा-गोरखपुर-बाराबंकी-कानपुर सेंट्रल के स्थान पर परिवर्तित मार्ग छपरा-औंड़िहार-वाराणसी जं.-बनारस-प्रयागराज जं.-कानपुर सेंट्रल के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी सीवान, देवरिया सदर, गोरखपुर, बस्ती एवं ऐशबाग स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

नई दिल्ली से 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 02570 नई दिल्ली-दरभंगा विशेष गाड़ी निर्धारित मार्ग कानपुर सेंट्रल-बाराबंकी-गोरखपुर-छपरा के स्थान पर परिवर्तित मार्ग कानपुर सेंट्रल-प्रयागराज जं.-बनारस-वाराणसी जं.-औंड़िहार-छपरा के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी ऐशबाग, बस्ती, गोरखपुर, देवरिया सदर एवं सीवान स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

11. हावड़ा से 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 13019 हावड़ा-काठगोदाम एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग भटनी-गोरखपुर-गोंडा-बाराबंकी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग भटनी-मऊ-वाराणसी सिटी-वाराणसी जं.-अयोध्या कैंट-बाराबंकी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी देवरिया सदर, चौरी चौरा, गोरखपुर, खलीलाबाद, बस्ती, बभनान, मनकापुर एवं गोंडा स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

काठगोदाम से 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 13020 काठगोदाम-हावड़ा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग बाराबंकी-गोंडा-गोरखपुर-देवरिया सदर-भटनी के स्थान पर परिवर्तित मार्ग बाराबंकी-अयोध्या कैंट-वाराणसी जं.-मऊ-भटनी के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी गोंडा, मनकापुर, बभनान, बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर, चौरी चौरा एवं देवरिया सदर स्टेशनों पर नहीं रूकेगी।

12. अमृतसर से 22 से 26 सितम्बर, 2025 तक चलने वाली 15212 अमृतसर-दरभंगा एक्सप्रेस निर्धारित मार्ग रोजा-सीतापुर-बुढ़वल-गोंडा-गोरखपुर-नरकटियागंज-मुजफ्फरपुर के स्थान पर परिवर्तित मार्ग रोजा-लखनऊ (उत्तर रेलवे)-सुल्तानपुर-वाराणसी जं.-छपरा-मुजफ्फरपुर के रास्ते चलाई जायेगी। मार्ग परिवर्तन के फलस्वरूप यह गाड़ी मैंगलगंज, सीतापुर सिटी, सीतापुर, बुढ़वल, गोंडा, बस्ती, गोरखपुर,

पश्चिम रेलवे – भावनगर कार्यशाला

नोन-एसी आईसीएफ कोचों में शौचालयों का सुधार

ई-निविदा संख्या: BVPW-2025-26-RSP-01-R

कार्य का नाम: कार्य के दायरे के अनुसार भावनगर परा कार्यशाला में नोन-एसी आईसीएफ कोचों में शौचालयों का सुधार।

कार्य की अनुमानित लागत: ₹ 22,48,56,716.26/-;

बोली सुरक्षा: ₹ 12,74,300/-;

कार्य समाप्ति अवधि: एलओए जारी होने की तारीख से 12 महीने;

निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि एवं समय: 16/09/2025, 10:30 Hrs.

निविदा खोलने की तिथि एवं समय: 16/09/2025, 11:00 Hrs.

वेबसाइट विवरण: निविदा केवल इलेक्ट्रॉनिक रूप से वेबसाइट https://www.ireps.gov.in पर प्रस्तुत की जाएगी।

जारीकर्ता: उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर, मुख्य कारखाना प्रबंधक कार्यालय, सवारी डिब्बा मरम्मत कारखाना, भावनगर परा, भावनगर – 364003, पश्चिम रेलवे; **ईमेल:** dycmews@bvp.railnet.gov.in BVP 112

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly • हमें फोलो करें : x.com/WesternRly

तांत्रिक के बहकावे में आकर बाबा ने की भतीजे की हत्या, जादू-टोने का शक बना घटना की वजह

(जीएनएस)।

यूपी के प्रयागराज जनपद के करेली थाना क्षेत्र से मंगलवार को गायब हुआ 11वीं का छात्र मृत मिला। पुलिस की जांच में सामने आया कि छात्र की हत्या किसी दूसरे शख्स ने नहीं बल्कि उसके ही रिश्तेदार द्वारा की गई थी। पकड़े जाने के बाद पूरा मामला सामने आया।

दरअसल, सुबह यूनिफॉर्म पहनकर स्कूल निकला छात्र शाम तक घर नहीं लौटा। परिजनों ने रिश्तेदारों और पड़ोस में खोजबीन की लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। देर शाम मां ने थाने जाकर गुमशुदगी की तहरीर दी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

स्न१८ँ१ ल्ली६२ ४ल्लू ी ल्लीस्रौ६

गुमशुदगी दर्ज करने के बाद पुलिस द्वारा जिस रास्ते से छात्र स्कूल के लिए निकला हुआ था उसे रास्ते में

लगे हुए सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। इस दौरान छात्र सीसीटीवी फुटेज में दिखाई दिया लेकिन कुछ दूर जाने के बाद वह अचानक गायब हो गया।

स्कूटी सवार ने फेंका था लाल कपड़े में कुछ सामान

पुलिस द्वारा जांच पड़ताल की जा रही थी इसी दौरान औद्योगिक क्षेत्र की एक महिला ने पुलिस को फोन करके बताया कि एक स्कूटी सवार युवक लाल कपड़े में लिपटा पैकेट फेंककर भाग निकला। उसके बाद पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर जांच की गई।

जांच में सामने आया कि स्कूटी सवार छात्र का चचेरा बाबा शरण सिंह था। इतनी जानकारी हाथ लगने के बाद पुलिस द्वारा शरण सिंह की खोजबीन की जाने लगी और फिर बरखंडी महादेव मंदिर के पास से उसे गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में चौंकाने वाला सच सामने आया।

तांत्रिक का बहकावा और बदले की आग

आरोपी शरण सिंह ने कबूल किया कि वह लंबे समय से मानसिक तनाव में जी रहा था। उसकी बेटी और बेटा अलग-अलग घटनाओं में जान गंवा चुके थे। इन हादसों ने उसे भीतर तक तोड़ दिया और उसने परिवार पर शक करना शुरू कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुजरात के साणंद में भारत की प्रथम एंड टु एंड ओसैट फैसिलिटी का प्रारंभ

गांधीनगर, 28 अगस्त : केन्द्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव तथा मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल के करकमलों से गुरुवार को गुजरात के साणंद में भारत की प्रथम एंड टु एंड आउटसोर्स सेमीकंडक्टर असेंबली टेस्ट (ओसैट) फैसिलिटी का प्रारंभ हुआ है। इस प्लांट का सीजी पावर द्वारा निर्माण किया गया है।

इस अवसर पर श्री पटेल ने कहा कि सेमीकंडक्टर सेक्टर एक ऐसा स्पेशल सेक्टर है, जिसमें भारत ने आगे बढ़ने की कल्पना भी नहीं की थी, लेकिन आज इस सेक्टर में बहुत बड़े पैमाने पर निवेश हो रहा है। नवंबर 2024 में सीजी पावर को इस सेमीकंडक्टर प्लांट की भारत सरकार की ओर से मंजूरी मिली थी। अल्पावधि में ही जरूरी सभी प्रक्रियाएँ पूर्ण कर एक वर्ष के भीतर इस प्लांट का प्रारंभ हुआ है। यह समग्र गुजरात के लिए गौरव की बात है।

उन्होंने आगे कहा कि गुजरात सदा-सर्वदा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विजन को साकार करने के लिए अग्रसर रहा है। जब प्रधानमंत्री ने भारत को विश्व में अग्रसर बनाने का आह्वान किया है, तब गुजरात ने हमेशा लीड ली है। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गुजरात को फ्यूचर रेडी बनाने के लिए वर्ष 2022 में सेमीकंडक्टर पॉलिसी लॉन्च करने वाला गुजरात समग्र देश में प्रथम राज्य बना था।

इस संदर्भ में उन्होंने आगे कहा कि श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में सेमीकंडक्ट सेक्टर को प्रमोट करने को गुजरात कटिबद्ध है। भारत सरकार ने गुजरात में चार सेमीकंडक्टर प्लांट की मंजूरी दी है। गुजरात समग्र देश में एक मात्र ऐसा रज्य है, जहाँ एक साथ चार प्लांट कार्यरत होने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि

गुजरात के प्लांट से निर्मित मेड इन इंडिया चिप भारत को आत्मनिर्भरता की ओर अवश्य ले जाएगी। प्रधानमंत्री की विजनरी लीडरशिप में भारत तेजी से तीसरी बड़ी इकोनॉमी बनेगा। वर्ल्ड इकोनॉमी एक्सपर्ट के अनुसार आगामी समय में ग्लोबल इकोनॉमी में भारत का योगदान 30 प्रतिशत तक पहुँचेगा। ग्लोबल रेटिंग एजेंसी ने भी भारत की क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड की है।

केन्द्रीय रेल एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि केन्द्र सरकार ने सेमीकंडक्टर के 10 प्रोजेक्ट मंजूर किए हैं। गुजरात में साणंद व धोलेरा सहित सेमीकॉन प्रोजेक्ट बहुत ही तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। इसके लिए टीम गुजरात अभिनंदन की अधिकारी है। गुजरात के सचिव सीईओ की तरह कार्य करते हैं। मैं मुख्यमंत्री सहित समग्र एफिशिएंट टीम को शुभकामना देता हूँ।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हब बने। गुजरात देश का ऐसा पहला राज्य है, जिसने सेमीकंडक्टर पॉलिसी बनाई है। राज्य सरकार के लगातार मिलने वाले सहयोग से इस क्षेत्र में तेज काम चल रहा है। देश का सपना है कि भारत में ही सेमीकंडक्टर चिप की डिजाइन बने तथा देश में ही उसका निर्माण हो। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सीजी पावर के यहाँ स्थित प्लांट की पायलट लाइन पर शीघ्र ही देश की पहली सेमीकंडक्टर चिप तैयार होगी और प्रधानमंत्री के करकमलों से जारी होगी। भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में टैलेंट पावर बनेगा।

उन्होंने कहा कि देश में 270 विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों के सहयोग से सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आवश्यक कौशल्यवान युवा तैयार किए जा रहे हैं। ये युवा आगामी समय में देश की एक बड़ी शक्ति बनेंगे। आज देश के 70 विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा लगभग 25 चिप की डिजाइन तैयार की गई है और उसका निर्माण भी हो रहा है। विश्व में बहुत कम देश ऐसे हैं, जहाँ चिप की डिजाइन तथा निर्माण, दोनों इस प्रकार होते हों।

राज्य के उद्योग मंत्री श्री बलवंतसिंह राजपूत ने कहा कि साणंद स्थित प्लांट के प्रारंभ से गुजरात अब सेमीकंडक्टर का हब बन चुका है, जिसका गौरव है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में गुजरात ने विकास की नई ऊँचाइयाँ पार की हैं। वर्ष 2003 में वाइब्रेंट गुजरात के प्रारंभ के बाद राज्य में आर्थिक एवं औद्योगिक क्रांति आई है। गुजरात सेमीकंडक्टर तथा एआई जैसे नए क्षेत्रों में भी अग्रसर है। राज्य सरकार की विशेष नीतियों, सिंगल विंडो सिस्टम, अंतरढाँचागत सुविधाओं तथा परिवहन सेवाओं आदि के कारण गुजरात ने उद्योगों का विश्वास जीता है।

सीजी पावर के चेयरमैन श्री वेलायन सुबैया ने कहा कि यह शुरूआत केवल सीजी पावर के लिए ही नहीं, बल्कि समग्र देश के लिए एक माइल स्टोन बनेगी। इस प्लांट के प्रारंभ के साथ भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की ओर अग्रसर बनेगा।

सीजी सेमी के चेयरमैन श्री गिरीश चतुवेर्दी ने स्वागत संबोधन किया। राज्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) की सचिव श्रीमती पी. भारती ने गुजरात में सेमीकंडक्टर क्षेत्र में गुजरात सरकार की पहलों तथा कामकाज की प्रगति की चर्चा की।

इस अवसर पर साणंद के विधायक श्री कनुभाई पटेल, भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त सचिव श्री सुशील पाल, राज्य के उद्योग विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती ममता वर्मा, सीजी सेमी के सीईओ जेरी अग्नेस तथा उपाध्यक्ष के अलावा सीजी से जुड़े उद्योगपति और प्लांट में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

टिकटाक के जरिए भर्ती कर रही है यूएस आर्मी, क्यों उठाना पड़ा ये कदम?

(जीएनएस)।

अमेरिकी सेना अब भर्ती के लिए सोशल मीडिया का सहारा ले रही है, जिसमें टिकटॉक (ढ्ठ्ठ्ठ्ठ) एक अहम हथियार बन गया है। सुरक्षा चिंताओं के कारण सरकारी प्रतिबंध के बावजूद, सेना के भर्ती करने वाले अधिकारी धड़ल्ले से टिकटॉक का इस्तेमाल कर रहे हैं। युवा सैनिक और पूर्व सैनिक शिक्षा, वित्तीय स्थिरता, भाईचारा और रोमांच जैसे लोक-लुभावन प्रचार को जारी करते हुए वीडियो शेयर हो रहे हैं। आर्मी अफसरों की यह रणनीति जेन` को आकर्षित करने का एक नया तरीका है, जो अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर बिताते हैं।

लिंक्डइन बनाम टिकटॉक

टिकटॉक पर चल रही राजनीतिक के बावजूद, यह जेन` दर्शकों को जोड़ने का सबसे प्रभावी तरीका बना हुआ है। यहां तक कि लिंक्डिन जैसी रोजगार मुहैया कराने वाली एप्स को भी टिकटॉक ने पीछे कर रखा है। मौजूदा वक्त में पारंपरिक भर्ती के तरीके जैसे पोस्टर या टीवी विज्ञापन युवाओं का ध्यान आकर्षित नहीं कर

पाते। इसके उलट, टिकटॉक के छोटे, मनोरंजक वीडियो आर्मी लाइफ को हाईटैक और आसान दिखाकर पेश करते हैं।

टिकटॉक पर आर्मी अफसरों की एंट्री

बीते कुछ समय में आर्मी अफसरों की संख्या टिकटॉक पर बढ़ी है, जिनके लाखों फॉलोअर्स हैं। इनमें से कई वर्तमान में सेवाएं दे रहे हैं या पूर्व सैनिक हैं जो सेना के अनौपचारिक राजदूत के रूप में काम करते हैं। उनके वीडियो वित्तीय सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, सब्सिडी वाली शिक्षा और वैश्विक यात्रा के अवसरों जैसे भर्ती के लाभों को उजागर करते हैं। यह सामग्री युवाओं को सेना में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करती है, इसे एक आकर्षक करियर विकल्प के रूप में दिखाती है।

टिकटॉक पर विवाद

सेना की टिकटॉक रणनीति पर विवाद भी है। आलोचकों का कहना है कि सैन्य जीवन के खतरों, बलिदानों और मानसिक तनाव को कम करके दिखाया जा रहा है। कुछ लोग इस बात पर भी सवाल उठाते हैं कि अमेरिकी सेना एक ऐसे प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रही है जो कि एक चीनी एप है और जिसे अमेरिकी सांसद सुरक्षा खतरा बताते हैं। फिर भी, यह रणनीति जारी है क्योंकि यह परिणाम दे रही है। जेन` के बीच भर्ती संख्या में सुधार देखा गया है, बावजूद टिकटॉक शक के दायरे में रहता है।

अमेरिका और टिकटॉक

अमेरिकी सेना युवाओं के डिजिटल जीवन में शामिल होकर अपनी भर्ती रणनीति को नया रूप दे रही है। अब वे केवल स्कूलों या करियर मेलों पर निर्भर नहीं हैं, बल्कि सीधे उन प्लेटफॉर्मों पर जेन` से जुड़ रहे हैं जिनका वे प्रतिदिन उपयोग करते हैं। यह रणनीति चाहे सफल हो या आलोचना का सामना करे, फिलहाय यह सोशल मीडिया की शक्ति को दशार्ती है।

शहर की 40% महिलाएं में सुरक्षा का डर, दिल्ली-कोलकाता बने सबसे असुरक्षित शहर

(जीएनएस)।

भारत में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हाल ही में जारी नेशनल एनुअल रिपोर्ट एंड इंडेक्स ऑन वीमेन सेफ्टी (NARI 2025) ने चिंताजनक तस्वीर पेश की है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश के शहरी इलाकों में रहने वाली करीब 40% महिलाएं खुद को असुरक्षित या कम सुरक्षित महसूस करती हैं।

यह आंकड़ा केवल अपराध के दर्ज मामलों पर आधारित नहीं है, बल्कि महिलाओं के रोजमर्रा के अनुभवों और अनकहे डर को भी सामने लाता है।

Report के मुताबिक, 31 शहरों की 12,770 महिलाओं से जुटाए गए अनुभवों पर आधारित यह रिपोर्ट बताती है कि असुरक्षा की भावना केवल अपराध की घटनाओं तक सीमित नहीं है, बल्कि अधूरी

इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधाएं, अंधेरी सड़कें और असुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी इसका बड़ा कारण हैं। इसमें रोजमर्रा के अनुभव, अनरिपोर्टेड घटनाएं और महिलाओं की वास्तविक समस्याएं शामिल की गई हैं। जिसमें उनके डर, चुनौतियां और हर दिन झेली जाने वाली तकलीफें साफ झलकती हैं।

छेड़छाड़ और उत्पीड़न के आंकड़े डरानेवाले

ठअफक्र2025 रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में 7% महिलाओं ने सड़क पर उत्पीड़न का सामना किया। इसमें सबसे ज्यादा खतरे में 18 से 24 साल की युवतियां पाई गईं। यह आंकड़ा राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) की 2022 की रिपोर्ट से 100 गुना ज्यादा है।

उत्पीड़न के तौर-तरीके घूरना, फब्तियां कसना, अश्लील टिप्पणियां और छूना जैसे रहे। महिलाओं ने खराब सड़क ढांचा, अपर्याप्त स्ट्रीट लाइटिंग और असुरक्षित पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बड़ी वजह बताया।

ये है सबसे असुरक्षित शहर

रिपोर्ट में कोलकाता और दिल्ली को महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित शहरों में गिना गया। इसके अलावा रांची, श्रीनगर और फरीदाबाद भी इस सूची में शामिल रहे।

सिर्फ 22% महिलाओं ने उत्पीड़न की शिकायत अधिकारियों तक पहुंचाई।

कई महिलाएं डर, सामाजिक कलंक और आगे की परेशानियों के डर से रिपोर्ट दर्ज नहीं करातीं।

करीब 53% महिलाएं यह तक नहीं जानतीं कि उनके कार्यस्थल पर POSH (Prevention of Sexual Harassment) नीति लागू है या नहीं।

यह रिपोर्ट नेशनल कमीशन फॉर वीमेन (NCW) की चेयरपर्सन विजया किशोर रहाटकर ने दिल्ली में लॉन्च की। इसे Pvalue Analytics ने तैयार किया और Group of Intellectuals and Academicians (GIA) ने प्रकाशित किया। रिपोर्ट लॉन्च करते हुए रहाटकर ने कहा-महिलाओं की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। घर हो, ऑफिस हो, सार्वजनिक स्थल या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म-हर जगह महिला को सुरक्षित महसूस होना चाहिए।

वहीं Pvalue Analytics के एमडी प्रह्लाद राउत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि ये निष्कर्ष सरकारों, कॉरपोरेट्स और समाज को महिलाओं की सुरक्षा सुधारने के लिए ठोस कदम उठाने में मदद करेंगे।

दुबई की खूबसूरत राजकुमारी ने रैपर से की सगाई, पति को दिया था इंस्टाग्राम पर तलाक

दुबई के शासक और यूएई के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन राशिद अल मकतूम की बेटी, शेख महरा मोहम्मद राशिद अल मकतूम ने रैपर फ्रेंच मोंटाना से सगाई कर ली है। मोंटाना के एक प्रतिनिधि ने टीएमजेड को बताया कि इस जोड़े ने जून में पेरिस फैशन वीक के दौरान अपने रिश्ते को औपचारिक रूप दिया।

शहर घुमाते इश्क कर बैठीं राजकुमारी

31 साल की राजकुमारी और 40 साल के रैपर के बीच 2024 के अंत से रिलेशनशिप चला आ रहा था।

क्या अब होमगार्ड भर्ती में युवाओं को मिलेंगे ज्यादा मौके, जानें क्या है योगी सरकार का नया कदम?

(जीएनएस)।

प्रदेश सरकार ने युवाओं को अवसर देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने होमगार्ड विभाग में रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया तुरंत शुरू करने के आदेश दिए हैं। सीएम ने कहा कि पारदर्शिता और समयबद्धता इस पूरी प्रक्रिया की सबसे बड़ी प्राथमिकता होगी।

मुख्यमंत्री ने अफसरों से कहा कि बदलते दौर में होमगार्ड बल को अधिक सक्षम और प्रोफेशनल बनाने की जरूरत है। इसके लिए भर्ती से जुड़े नियमों में संशोधन किया जाएगा। नई व्यवस्था युवाओं को ज्यादा मौके देगी और विभाग को नई ऊर्जा से भर देगी। ैठक में यह भी तय हुआ कि भर्ती में अधिकतम आयु सीमा घटाकर 30 वर्ष करने का प्रस्ताव लागू किया जाएगा। चयन प्रक्रिया में लिखित परीक्षा को अनिवार्य बनाने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए मानक सेवा की गुणवत्ता को और ऊंचा करेंगे।

आपदा प्रबंधन अनुभव वालों को प्राथमिकता

योगी ने साफ किया कि आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों को विशेष प्राथमिकता मिलेगी। उनका मानना है कि

प्राकृतिक संकट या अन्य आपात स्थितियों में प्रशिक्षित लोग जनता की सुरक्षा और सहायता में बेहतर योगदान दे सकते हैं।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि नई प्रणाली को जल्द से जल्द लागू किया जाए। सीएम का विश्वास है कि इसके बाद प्रदेश का होमगार्ड बल और अनुशासित, अधिक सक्षम और पूरी तरह से जनता की सेवा के प्रति समर्पित स्वरूप में सामने आएगा।

मौजूदा बल की स्थिति

विभागीय जानकारी के मुताबिक, वर्तमान में प्रदेश में 1,18,348 स्वीकृत पद हैं। इनमें से 71,155 होमगार्ड सक्रिय ड्यूटी पर तैनात हैं। अगले दस वर्षों में लगभग 38 हजार जवान रिटायर हो जाएंगे, जबकि आधे से ज्यादा स्वयंसेवक पचास वर्ष से अधिक आयु वर्ग के हैं।

यही वजह है कि संगठन में नई भर्ती बेहद जरूरी मानी जा रही है। सरकार का मानना है कि युवाओं के आने से बल में नई ऊर्जा आएगी और सेवा की निरंतरता बनी रहेगी। साथ ही, तेजी से बदलते हालात से निपटने की तैयारी भी बेहतर हो सकेगी।

चुनाव और आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को बताया कि होमगाड्र्स ने हाल ही में लोकसभा और विधानसभा चुनावों में उल्लेखनीय भूमिका निभाई। इसके अलावा महाकुंभ-2025 जैसे बड़े आयोजनों में भी उनकी सेवाएं अहम होंगी। प्रशासनिक इकाइयां इस बल पर लगातार भरोसा करती आई हैं।

पुलिस प्रशासन, यातायात प्रबंधन, शैक्षणिक संस्थानों, स्वास्थ्य सेवाओं और परिवहन से लेकर दूरदर्शन, आकाशवाणी और विकास प्राधिकरणों तक में होमगाड्र्स की सेवाएं लगातार ली जा रही हैं। सरकार का मानना है कि बढ़ती जिम्मेदारियों को देखते हुए बल का पेशेवर रूप और मजबूत करना आवश्यक है।

बैठक में यह भी बताया गया कि विभागीय कार्यप्रणाली को अब पूरी तरह डिजिटल किया जा रहा है। ड्यूटी आवंटन से लेकर भत्तों और पेंशन तक की व्यवस्था ऑनलाइन हो चुकी है। 'होमगार्ड मित्र' ऐप ने व्यवस्था को और पारदर्शी और सुगम बनाया है।

नकली सीबीआई अधिकारी ने डॉक्टर के घर और क्लीनिक में मारी रेड, दो घंटे रखा हाउस अरेस्ट जानिए फिर क्या हुआ

(जीएनएस)।

उत्तराखंड के यूएसनगर से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां नकली सीबीआई अधिकारी बनकर एक व्यक्ति ने डॉक्टर के घर पर रेड मारी। डॉक्टर घर से ही अपना क्लीनिक संचालित करता है। इस दौरान फर्जी अधिकारी बनकर आए व्यक्ति ने डॉक्टर और उनकी पत्नी को दो घंटे हाउस अरेस्ट भी किया।

इस दौरान आरोपी ने घर और क्लीनिक को पूरी तरह से खंगाला। लेकिन जब कुछ भी हाथ नहीं लगा तो धमका कर भाग गया। पीड़ित ने पुलिस को कंप्लेन दर्ज कराई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है।

उधम सिंह नगर के किच्छा कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास में डॉ. गौरांग मोहपात्रा होम्योपैथी क्लीनिक चलाते हैं। एक अज्ञात शख्स सूट बूट पहनकर पीडित के घर आया

और खुद को सीबीआई अधिकारी बताया। डॉक्टर से पूछताछ करने के साथ ही आरोपी ने डॉक्टर और उनकी पत्नी के मोबाइल ले लिए।

इस बीच करीब दो घंटे तक आरोपी ने डॉक्टर और उनकी पत्नी को हाउस अरेस्ट किया। इस दौरान शख्स ने घर और क्लीनिक की छानबीन की। जब घर से कुछ नहीं मिला तो आरोपी ने डॉक्टर को नकदी की व्यवस्था करने की बात कहकर गोली मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया।

मामला समझ में आने के बाद डॉक्टर ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना से संबंधित एक सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है, जिसमें फर्जी सीबीआई अधिकारी क्लीनिक में डॉक्टर से बातचीत करते हुए दिखाई दे रहा है। घटना दोपहर में करीब दो बजे की बताई जा रही है। नकली सीबीआई अधिकारी का मामला सामने आने के बाद लोग दहशत में हैं। पीड़ित डॉक्टर ने पूरी घटना की जानकारी पुलिस को दी। इस बीच पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं। जिसके बाद पुलिस की जांच में तेजी आ सकती है।

बिहार में ग्रामीण सड़कों की रफ्तारः गांवों से शहरों की दूरी हुई कम

(जीएनएस)।

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की मदद से बिहार में निर्मित ग्रामीण सड़कों और पुलों का संजाल बुनने का काम अब लगभग अपने अंतिम चरण में है। राज्य में बड़ी संख्या में ग्रामीण सड़कों के निर्माण से गांवों की तस्वीर तो बदली ही है, साथ ही राज्य के सुदूर गांवों से शहरों की दूरी लगातार कम गई है। साथ ही राज्य के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को यह सड़कें नई रफ़्तार दे रही हैं।

नाबार्ड के सहयोग से इस राज्य योजना के तहत विभिन्न जिलों में स्वीकृत सड़कों के निर्माण की ग्रामीण कार्य विभाग ने जिलावार प्रगति रिपोर्ट गुरुवार को जारी की है। इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2023 में राज्य की कुल

2025 ग्रामीण सड़कों के निर्माण की विभाग ने प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की थी। जिसमें 1859 सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। इन 2025 सड़कों की कुल लम्बाई 5254.490 किलोमीटर है, जिसमें 4822.474 सड़कों का निर्माण कर लिया गया है। इसी तरह, राज्य में ग्रामीण सड़कों के साथ-साथ कुल 1235 पुलों के निर्माण का लक्ष्य भी नाबार्ड के सहयोग से निर्धारित किया गया था। जिसमें अबतक कुल 910 पुलों का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष 325 पुलों का निर्माण का कार्य जारी है और इसे अगले कुछ महीनों में पूरा कर लिया जाएगा।

ग्रामीण कार्य विभाग के स्तर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार ग्रामीण सड़कों के निर्माण में नालंदा जिला सबसे आगे है। जहां कुल 214 सड़कों की स्वीकृति में से 199 सड़कों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। नालंदा में 370 किलोमीटर से भी अधिक सड़कों का निर्माण किया जा चुका है। जबकि लक्ष्य 396.194 किलोमीटर सड़क के निर्माण का है। साथ ही, नालंदा में 67 पुल का निर्माण किया जाना था, जिसमें 59 पुल बनकर तैयार हो चुके हैं। वहीं, गयाजी में कुल 129 सड़कों के निर्माण की मिली स्वीकृति के विरुद्ध 120 सड़कों का निर्माण हो चुका है। गयाजी में कुल 395.245 किलोमीटर लंबाई की सड़कें बनाने का लक्ष्य निर्धारित है। जिसके विरुद्ध अबतक 365.782 किलोमीटर सड़क का निर्माण पूरा हो चुका है। जबकि गयाजी में निमार्णाधीन 57 पुलों में 46 पुलों का निर्माण भी पूरा हो चुका है।

वहीं, राजधानी पटना जिला में कुल 167 ग्रामीण सड़कों के निर्माण की स्वीकृति दी गई थी।

22 करोड़ की लागत से पूर्णिया में एन.एच.-107 से काझी पथ का चौड़ीकरण- मजबूतीकरण को स्वीकृति - सम्राट चौधरी

(जीएनएस)।

बिहार सरकार ने 2261.70 लाख रुपये की लागत से काजी से ठऌ-107 को चौड़ा और मजबूत करने की मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य सड़क के बुनियादी ढांचे में सुधार करना और रोजगार के अवसर पैदा करना है।

बिहार के उपमुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी ने बताया कि पथ प्रमंडल पूर्णियां अंतर्गत एन.एच.-107 से काझी (कुल लंबाई 6.000 किमी) पथ चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। इस योजना की लागत 2261.70 लाख यानि बाईस करोड़ एकसठ लाख सत्तर हजार रुपये आएगी।

श्री चौधरी ने कहा कि पथ निर्माण विभाग से तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद निविदा प्रक्रिया पूरी कर जल्द ही कार्य प्रारंभ कराया जाएगा। इसके क्रियान्वयन और खर्च की जिम्मेदारी पथ प्रमंडल पूर्णियां के कार्यपालक अभियंता को दी गई है। उपमुख्यमंत्री श्री चौधरी ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व में डबल इंजन वाली एनडीए सरकार, सड़कों के बुनियादी ढ़ांचे को मजबूत करने के लिए लगातार काम कर रही है। यही वजह है कि बिहार में सड़कों का विशाल नेटवर्क तैयार हुआ है। हाल में ही सरकार ने पूर्णिया जिले के पथ प्रमंडल अंतर्गत एनएच-107 के चेथरीयपीर चौक से चम्पानगर भाया धनहरा, कुम्हारटोला, जंगैली, जगनी तक कुल 7.653 किलोमीटर सड़क के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण कार्य को प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की थी और अब इसी कड़ी में बाईस करोड़ एकसठ लाख सत्तर हजार रुपये की लागत से पूर्णिया में एन.एच.-107 से काझी पथ का चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण कार्य को स्वीकृति प्रदान की गई है। काझी पथ का चौड़ीकरण एवं मजबुतीकरण जहां आवागमन सुगम होगा वहीं रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे।

गांव में गूगल मैप सर्वे टीम को चोर समझ बैठे ग्रामीण, घेरकर कर दी पिटाई, जानें फिर क्या हुआ?

(जीएनएस)।

कानपुर के एक गांव में उस समय हड़कंप मच गया जब सर्वे के लिए आई गूगल मैप टीम को ग्रामीणों ने चोर समझ लिया। भीड़ ने गाड़ी रोककर कर्मचारियों से पूछताछ की और जवाब न मिलने पर हंगामा खड़ा कर दिया।

घटना कानुपर जनपद के साढ़ थाना क्षेत्र के महोलिया गांव की है। बताया जा रहा है कि यहां पर टीम कार से सर्वे कर रही थी। ग्रामीणों को शक हुआ कि युवक चोरी करने पहुंचे हैं। उसके बाद कुछ लोगों ने उनको रोक लिया।

ग्रामीणों का कहना है कि पिछले दिनों गांव में लगातार चोरी की वारदातें हुई हैं। इसी वजह से उन्हें गाड़ी पर शक हुआ। जब उन्होंने युवकों को मोबाइल और कैमरे से तस्वीरें लेते देखा तो उनका गुस्सा फूट पड़ा और फिर मारपीट करने लगे।

मामले की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने आक्रोशित भीड़ को शांत कराया और गूगल मैप कर्मचारियों को भीड़ के बची से सुरक्षित बाहर निकाला। घटना के बाद पुलिस ने ग्रामीणों को भी समझाया और ऐसे किसी मामले में शिकायत की बात कही। इस बारे में थाना प्रभारी अवनीश कुमार ने बताया कि कर्मचारियों से पूछताछ की गई। जांच में सामने आया कि टीम टेक महिंद्रा कंपनी के प्रोजेक्ट के तहत गूगल मैप के लिए डेटा इकट्ठा कर रही थी। फिलहाल मामले की जांच जारी है। इस बारे में गांव के कुछ लोगों ने मीडिया कर्मियों को बताया कि गांव के साथ ही आसपास के गावों में लगातार चोरी की घटनाएं हो रही हैं। कार से पहुंचे लोग फोटो वीडियो बना रहे थे पूछने पर संतोषजनक जवाब नहीं दिए।

वहीं गांव के बुजुर्गों ने भी बताया कि अगर कंपनी की तरफ से पहले सही जानकारी दी जाती तो मारपीट न होती।